Seventeenth Loksabha

>

Title: Request to set up a Research and Development Centre and Ayurvedic hospital in Hathkangle Parliamentary Constituency., Maharashtra

श्री धैर्यशील संभाजीराव माणे (हातकणंगले): महोदय, आपने मुझे मेरी बात रखने का मौका दिया, इसके लिए आपका धन्यवाद ।

मेरे निर्वाचन क्षेत्र हातकणंगले में कोल्हापुर जिले में स्थित शाहूवाडी, पन्हाला तहसील तथा सांगली जिले में स्थित शिराला तहसील का अधिकांश क्षेत्र फॉरेस्ट एरिया है, दुर्गम एरिया है । यहाँ विभिन्न दुर्लभ वन औषधियों की बड़ी मात्रा में उपलब्धता है । यह क्षेत्र Western Ghats के अंतर्गत आता है, जो यूनेस्को वर्ल्ड हेरिटेज साइट है और विश्व की 8 biological diversity hotspot sites में इसका समावेश है ।

इनमें कैंसर के उपचार में प्रयोग होने वाली नोथापोडायटीस **(Nothapodytes),** डायबिटीज के उपचार में प्रयोग होने वाली सप्तरंगी, डेंगू में उपयुक्त गिलोही, जिसका उपयोग कोरोना से बचाव के लिए और इम्युनिटी बूस्टर की तरह भी किया गया । आयुर्वेद में औषधियों की रानी मानी जाने वाली शतावरी, जिसकी जड़ पाचन तंत्र की बीमारियों के इलाज, ट्यूमर, गले के संक्रमण, ब्रोंकाइटिस में फायदेमंद होती है । इसके बहुत सारे फायदे हैं । इसके अतिरिक्त त्रिफला चूर्ण के महत्वपूर्ण अंग हरड, बहेडा, आमला तथा शिकाकाई, जंगली हल्दी, जंगली भिंडी, करोंदा, जामुन, इमली इत्यादि जंगली वनस्पतियाँ मेरे क्षेत्र में मिलती हैं । मेरे लोक सभा क्षेत्र के स्थानीय लोग अनेक वर्षों से इन औषधियों का प्रयोग विविध बीमारियों के उपचार के लिए परम्परागत तरीके से करते आ रहे हैं । इस क्षेत्र में विकसित ज्ञान प्रणालियाँ हैं, जिनका प्रयोग कई रोगों की रोकथाम, निवारण और इलाज के लिए किया जा रहा है ।

मैं आपके माध्यम से सरकार से माँग करना चाहूँगा कि यहाँ एक रिसर्च एंड डेवलपमेंट सेंटर स्थापित किया जाए, जिससे इन औषधियों की मैन्युफैक्चरिंग को बढ़ावा मिले । इसके अलावा राष्ट्रीय आयुष मिशन के अंतर्गत आयुर्वेदिक हॉस्पिटल शुरू किया जाए, जिससे इन औषधियों का व्यापक इस्तेमाल हो सके एवं रोजगार के अवसर प्राप्त हो सके । पूरे विश्व में जिस प्रकार आयुर्वेदा प्रोडक्ट्स की डिमांड है, हम इन औषधियों का निर्माण करके देश की अर्थव्यवस्था और आत्मनिर्भर भारत के संकल्प को मजबूत कर पाएंगे । धन्यवाद ।